J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad

(formerly YMCA University of Science and Technology)

A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009

SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006

Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in

GOLDEN JUBILEE YEAR
(1969-2019)

NEWS CLIPPING: 04.02.2020

PUNJAB KESARI

'विद्यार्थियों को उद्यमशील बनाने पर है विश्वविद्यालय का जोर'

'विद्यार्थी नौकरी मांगने की बजाये रोजगार देने में समक्ष बनें'

सेमिनार को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार।

फरीदाबाद, 3 फरवरी (ब्यूरो): जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद के प्रबंधन अध्ययन विभाग द्वारा फरीदाबाद मैनेजमेंट एसोसिएशन और ऑल इंडिया मैनेजमेंट एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में सहयोग से सूक्षम, लघु तथा मध्यम (एमएसएमई) उद्योगों में उत्पादकता, लागत और गुणवत्ता की चुनौतियों पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार में विभिन्न उद्योग विशेषज्ञों, शिक्षाविदों और विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप ऑल इंडिया मैनेजमेंट एसोसिएशन की एसएमई टास्क फोर्स के अध्यक्ष डॉ. जे.एस. जुनेजा और वर्ल्डयूनियन ऑफ स्मॉल एंड मीडियम एंटरप्राइजेज के उपाध्यक्ष तथा फरीदाबाद मैनेजमेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष अभय कपूर उपस्थित थे। सत्र की अध्यक्षता कुलपति प्रो दिनेश कुमार ने की। कुलसचिव डॉ. एस. के. गर्ग, प्रबंधन अध्ययन विभाग के डीन डॉ. अरविंद गुप्ता, विभागाध्यक्ष डॉ. आशुतोष निगम तथा सहयोगी संस्थाओं के अन्य पदाधिकारी भी सत्र के दौरान उपस्थित थे। इस अवसर पर बोलते हुए, कुलपति प्रो दिनेश कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को उद्यमशीलता कौशल प्रदान करने की दिशा में एक इंक्यूबेशन सेंटर के रूप में कार्य कर रहा है ताकि विद्यार्थी अपने उद्यम शुरू करें और नौकरी चाहने वालों की बजाये रोजगार देने वाले बने। उन्होंने कहा कि फरीदाबाद के औद्योगिक विकास में विश्वविद्यालय का महत्वपूर्ण योगदान रहा है और इस संस्थान से उत्तीर्ण कई विद्यार्थियों ने अपनी विनिर्माण इकाइयां स्थापित की हैं।

प्रो. दिनेश कुमार ने सेमिनार के विषय की सराहना की और सूक्षम, लघु तथा मध्यम उद्योगों द्वारा सामना की जाने वाली सामान्य समस्याओं पर चर्चा के लिए ऐसे सेमिनार नियमित आधार पर आयोजित करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि राज्य के एक प्रमुख तकनीकी विश्वविद्यालय के रूप में, एमएसएमई की समस्याओं का समाधान करना तथा उन्हें कुशल कार्यबल उपलब्ध करवाना बनाना विश्वविद्यालय की जिम्मेदारी है।

राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम के अध्यक्ष और सीईओ रह चुके डॉ. जुनेजा ने अपने अनुभव साझे करते हुए कहा कि सूक्षम, लघु तथा मध्यम उद्योग एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है और इस क्षेत्र में 124 मिलियन कार्यबल की भागीदारी है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय को चर्चा के लिए मंच उपलब्ध करवाने के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि रचनात्मकता और नवाचार को एमएसएमई के महत्वपूर्ण स्तंभ है। उन्होंने कहा कि उद्यमियों और विभिन्न व्यावसायिक संस्थाओं के मालिकों को अपने कर्मचारियों की समस्याओं को दूर करने के लिए निरंतर बातचीत करनी चाहिए और ऐसे करने से एमएसएमई संस्थाओं की अधिकांश समस्याओं और चुनौतियों का समाधान हो सकता है। उन्होंने कारखानों में सामग्री के प्रवाह से संबंधित चुनौतियों पर भी प्रकाश डाला है जिसका सामना आमतौर पर एमएसएमई द्वारा सबसे ज्यादा किया जाता है। अपने संबोधन में, फरीदाबाद मैनेजमेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष अभय गर्ग ने एमएसई क्षेत्र की विभिन्न लागत संबंधी चुनौतियों का समाधान प्रस्तुत किया। उन्होंने विद्यार्थियों को विभिन्न सरकारी सहायता प्राप्त योजनाओं जैसे स्टैंड-अप इंडिया, मुद्रा योजना, स्टार्ट-अप इंडिया का अध्ययन करने तथा अपना उद्यम शुरू करने के लिए संसाधन जुटाने पर काम करने के लिए प्रोत्साहित किया। राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद के निदेशक के डी भारद्वाज ने विद्यार्थियों के साथ अपने अनुभव साझा किए और कहा कि उत्पादकता, लागत और गुणवत्ता एमएसएमई के सामान्य मुद्दे हैं। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने एमएसएमई को सहयोग देने के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं, लेकिन प्रमुख चुनौती यह है कि इसको लेकर उद्योगपतियों में जागरूकता का आभाव है। नियो इंस्टीट्यूट ऑफ क्वालिटी मैनेजमेंट के अध्यक्ष डॉ. आर.एन. बसु ने एमएसएमई सेक्टर में क्षमता निर्माण के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि यह जरूरी नहीं है कि अधिक कारोबार हमेशा संगठन के लिए लाभप्रदता का कारण बनेगा। गुणवत्ता में सुधार महत्वपूर्ण पहलू है क्योंकि इससे लागत में कमी आती है तथा उत्पादकता और लाभप्रदता में सुधार होता है। सत्र को प्रो. एस.के. बेदी ने भी संबोधित किया।

सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्योगों में उत्पादकता, लागत और गुणवत्ता की चुनौतियों पर एक दिवसीय सेमिनार

इसके उपरांत एक पैनल चर्चा का भी आयोजन किया गया, जहां के.डी. भारद्वाज, निदेशक, राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद, जे.पी. मल्होत्रा, अध्यक्ष, डीएलएफ इंडस्ट्रीज एसोसिएशन, रवि भूषण खत्री, अध्यक्ष, लघु उद्योग भारती, अमित अग्रवाल, एमडी, एग्रोमैच इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड, डॉ. आर.एन. बसु, चेयरमैन, नियो इंस्टीट्यूट ऑफ क्वालिटी मैनेजमेंट और डॉ. अजय गर्ग, कॉरपोरेट कंसल्टेंट ने पैनलिस्ट और एक्सपर्ट वक्ता के रूप में अपने विचार रखे। इस सत्र का संचालन मैनेजमेंट स्टडीज विभागाध्यक्ष प्रो. आशुतोष निगम ने किया। एमबीए के विद्यार्थियों ने पैनल चर्चा के दौरान कई सवाल पूछे गए, जिनका जवाब पैनल के सदस्यों ने इस चर्चा में दिया। सेमिनार का संचालन प्रबंधन अध्ययन विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. सपना तनेजा ने किया।

पंजाब केसरी ई-पेपर Tue, 04 February 2020
https://epaper.punjabkesari.in/c/48654640

NEWS CLIPPING: 04.02.2020

THE PIONEER

विद्यार्थियों को उद्यमशील बनाने पर है विश्वविद्यालय का जोर : दिनेश

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, के प्रबंधन अध्ययन विभाग द्वारा फरीदाबाद मैनेजमेंट एसोसिएशन और ऑल इंडिया मैनेजमेंट एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में सहयोग से सूक्ष्म, लघु तथा मध्यम (एमएसएमई) उद्योगों में उत्पादकता, लागत और गुणवत्ता की चुनौतियों पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार में विभिन्न उद्योग विशेषज्ञों, शिक्षाविदों और विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप ऑल इंडिया मैनेजमेंट एसोसिएशन की एसएमई टास्क फोर्स के अध्यक्ष डॉ. जेएस जुनेजा और वर्ल्डयूनियन ऑफ स्मॉल एंड मीडियम एंटरप्राइजेज के उपाध्यक्ष तथा फरीदाबाद मैनेजमेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष अभय कपूर उपस्थित थे। सत्र की अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की। कुलसचिव डॉ. एसके गर्ग, प्रबंधन अध्ययन विभाग के डीन डॉ. अरविंद गुप्ता, विभागाध्यक्ष डॉ. आशुतोष निगम तथा सहयोगी संस्थाओं के अन्य पदाधिकारी भी सत्र के दौरान उपस्थित थे। कुलपति प्रो दिनेश कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को उद्यमशीलता कौशल प्रदान करने की दिशा में एक इंक्यूबेशन सेंटर के रूप में कार्य कर रहा है ताकि विद्यार्थी अपने उद्यम शुरू करें और नौकरी चाहने वालों की बजाये रोजगार देने वाले बने। उन्होंने कहा कि फरीदाबाद के औद्योगिक विकास में विश्वविद्यालय का महत्वपूर्ण योगदान रहा है और इस संस्थान से उत्तीर्ण कई विद्यार्थियों ने अपनी विनिर्माण इकाइयां स्थापित की हैं।

NEWS CLIPPING: 04.02.2020

HINDUSTAN

स्वरोजगार के लिए छात्रों को कौशल की जरूरत

फरीदाबाद | कार्यालय संवाददाता

वाईएमसीए में सोमवार को प्रबंधन अध्ययन विभाग ने फरीदाबाद मैनेजमेंट एसोसिएशन और ऑल इंडिया मैनेजमेंट एसोसिएशन के साथ मिलकर एक दिवसीय सेमीनार का आयोजन किया।

इस दौरान कुलपति ने संबोधित करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय छात्रों को उद्यमशीलता कौशल प्रदान करने की दिशा में एक इंक्यूबेशन सेंटर के रूप में काम कर रहा है जिससे कि छात्र स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ें। सूक्ष्म, लघु तथा मध्यम (एमएसएमई) उद्योगों में उत्पादकता, लागत और गुणवत्ता की चुनौतियां विषय पर हुए इस सेमीनार में बतौर विशिष्ट अतिथि व वक्ता ऑल इंडिया मैनेजमेंट एसोसिएशन की एसएमई टास्क फोर्स के अध्यक्ष डॉ. जेएस जुनेजा और वर्ल्ड यूनियन ऑफ स्मॉल एंड मीडियम एंटरप्राइजेज के उपाध्यक्ष और फरीदाबाद मैनेजमेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष अभय कपूर पहुंचे।

सत्र की अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की। इस दौरान कुलसचिव डॉ. एसके गर्ग, प्रबंधन अध्ययन विभाग के डीन डॉ. अरविंद गुप्ता, विभागाध्यक्ष डॉ. आशुतोष निगम भी मौजूद रहे। डॉ. जुनेजा ने अपने अनुभव साझे करते हुए कहा कि सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है और इस क्षेत्र में 124 मिलियन कार्यबल की भागीदारी है।

J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad

(formerly YMCA University of Science and Technology)

A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009

SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006

Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in

GOLDEN JUBILEE YEAR (1969-2019)

NEWS CLIPPING: 04.02.2020

TOP STORY (HARYANA)

J C Bose University VC urged the students to become job providers

Chandigarh

Prof. Dinesh Kumar , Vice Chancellor J C Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad said that the University is working as incubation centre and imparting entrepreneurial skills to the students so that they can become job provider instead of job seekers. The University had a significant contribution in the development of local industrial development as many of its students have set up their own units of manufacturing, he added. He was addressing the gathering at a seminar in the university .

The Department of Management Studies, J C Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad in association with Faridabad Management Association (FMA) and All India Management Association (AIMA) organized a one-day seminar on 'Productivity, Cost and Quality Challenges in MSME Sector. Eminent professionals, various industry experts, academicians and students participated in this seminar.

Dr. J. S. Juneja, Chairman of SME Task Force of AIMA and Vice President to World Union of Small and Medium Enterprises and and Mr. Abhay Kapoor, President of FMA were present as guest of honour on this occasion. The session was presided over by Vice Chancellor Prof. Dinesh Kumar. Registrar Dr. S.K. Garg, Dean of Management Studies Dr. Arvind Gupta, Chairperson Dr. Ashutosh Nigam, other office bearers and members of FMA and AIMA were also present during the session.

Prof. Dinesh Kumar appreciated the theme of the seminar and encouraged for organizing such seminars on regular basis in order to provide platform for discussion of common problems faced by MSMEs. He stated upon recent trends such as Internet of things, machine learning and automation as need of the hour. He said that as a leading technical University of the state, it is our responsibility to create desired skilled manpower for MSMEs.

Dr. Juneja, who has been the Chairman and CEO of National Small Industries Corporation (NSIC), the apex SME Development organization in India, highlighted the importance of MSME sector by emphasising the involvement of 124 million manpower in this sector and congratulated the University for initiating such a thoughtful seminar on the recent issues faced by MSME Sector. Describing creativity and innovation as important pillars of MSMEs, he said that entrepreneurs and owners of various business entities should meet with their workers to their concerns which can eliminate most of the issues and challenges faced by the MSME entities. He has also highlighted challenges related to flow of materials in factories which is generally faced by MSMEs.

In his address, Mr. Abhay Garg, President of Faridabad Management Association (FMA) presented solutions to the various cost challenges in MSME sector. He also asked the students to search about various Government supported schemes such as Stand-up India, Mudra Scheme, Start-up India and DST for starting their own venture.

Mr. K. D. Bhardwaj, Director of National Productivity Council shared his experiences and said that productivity, cost and quality are common issues of MSMEs. He said that Government of India has launched many schemes to support MSMEs but major challenge is lack of awareness among industrialists.

Dr. R. N. Basu, Chairman of Neo Institute of Quality Management spoke about 'Competence Building in MSME Sector'. He has stressed upon the fact that it is not always true that more turnover will always lead to more profitability for the organization. Quality improvement is important aspect because it decreases cost, improves productivity and profitability.

Prof. S K Bedi, an adjunct faculty of Department of Management Studies, introduced the context of this seminar by stressing upon the need of MSME units for large sector units as they are the vital part and supplier of materials, components to the large sector. Prof. Bedi brought attention to the need of joint deliberations which can result into fruitful output for MSMEs.

Later, a panel discussion was also conducted where Mr. K. D. Bhardwaj, Director, National Productivity Council, Mr. J. P. Malhotra, President, DLF Industries Associations, Mr. Ravi Bhushan Khatri, President, Laghu Udyog Bharti, Mr. Amit Aggarwal, MD, Agromach Engineering Pvt. Ltd, Dr. R.N. Basu, Chairman, Neo Institute of Quality Management and Dr. Ajay Garg, Corporate consultant were the panellist and expert speakers and, the session was moderated by Prof. Ashutosh Nigam, Chairperson of Management Studies. Several questions were asked by MBA students which were answered by panel members in this discussion.

The seminar was coordinated by Dr. Sapna Taneja, Assistant Professor, Dept of Management Studies.

NEWS CLIPPING: 04.02.2020

THE HAWK

J C Bose University VC Urges Students To Become Job Providers

Chandigarh: Prof. Dinesh Kumar , Vice Chancellor J C Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad said that the University is working as incubation centre and imparting entrepreneurial skills to the students so that they can become job provider instead of job seekers. The University had a significant contribution in the development of local industrial development as many of its students have set up their own units of manufacturing, he added. He was addressing the gathering at a seminar in the university.

The Department of Management Studies, J C Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad in association with Faridabad Management Association (FMA) and All India Management Association (AIMA) organized a one-day seminar on 'Productivity, Cost and Quality Challenges in MSME Sector. Eminent professionals, various industry experts, academicians and students participated in this seminar. Dr. J. S. Juneja, Chairman of SME Task Force of AIMA and Vice President to World Union of Small and Medium Enterprises and and Mr. Abhay Kapoor, President of FMA were present as guest of honour on this occasion. The session was presided over by Vice Chancellor Prof. Dinesh Kumar. Registrar Dr. S.K. Garg, Dean of Management Studies Dr. Arvind Gupta, Chairperson Dr. Ashutosh Nigam, other office bearers and members of FMA and AIMA were also present during the session. Prof. Dinesh Kumar appreciated the theme of the seminar and encouraged for organizing such seminars on regular basis in order to provide platform for discussion of common problems faced by MSMEs. He stated upon recent trends such as Internet of things, machine learning and automation as need of the hour. He said that as a leading technical University of the state, it is our responsibility to create desired skilled manpower for MSMEs. Dr. Juneja, who has been the Chairman and CEO of National Small Industries Corporation (NSIC), the apex SME Development organization in India, highlighted the importance of MSME sector by emphasising the involvement of 124 million manpower in this sector and congratulated the University for initiating such a thoughtful seminar on the recent issues faced by MSME Sector. Describing creativity and innovation as important pillars of MSMEs, he said that entrepreneurs and owners of various business entities should meet with their workers to their concerns which can eliminate most of the issues and challenges faced by the MSME entities. He has also highlighted challenges related to flow of materials in factories which is generally faced by MSMEs.

In his address, Mr. Abhay Garg, President of Faridabad Management Association (FMA) presented solutions to the various cost challenges in MSME sector. He also asked the students to search about various Government supported schemes such as Stand-up India, Mudra Scheme, Start-up India and DST for starting their own venture. Mr. K. D. Bhardwaj, Director of National Productivity Council shared his experiences and said that productivity, cost and quality are common issues of MSMEs. He said that Government of India has launched many schemes to support MSMEs but major challenge is lack of awareness among industrialists.

NEWS CLIPPING: 04.02.2020

AMAR UJALA

विद्यार्थियों को उद्यमशील बनाने पर दिया जोर

अमर उजाला ब्यूरो 4/02/2020

फरीदाबाद। जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय वाईएमसीए में अध्ययन विभाग, फरीदाबाद मैनेजमेंट एसोसिएशन और ऑल इंडिया मैनेजमेंट एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में सेमिनार का आयोजन किया गया। इस मौके पर ऑल इंडिया मैनेजमेंट एसोसिएशन की एसएमई टास्क फोर्स के अध्यक्ष डॉ. जेएस जुनेजा और वर्ल्ड यूनियन ऑफ स्मॉल एंड मीडियम एंटरप्राइजेज के उपाध्यक्ष व फरीदाबाद मैनेजमेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष अभय कपूर उपस्थित थे। सत्र की अध्यक्षता कुलपति प्रो दिनेश कुमार ने की। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को उद्यमशीलता कौशल प्रदान करने की दिशा में एक इंक्यूबेशन सेंटर के रूप में कार्य कर रहा है, जिससे विद्यार्थी अपने उद्यम शुरू करें और नौकरी की चाहत रखने की बजाए रोजगार देने वाले बने। उन्होंने कहा कि फरीदाबाद के औद्योगिक विकास में विश्वविद्यालय का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इस संस्थान से उत्तीर्ण कई विद्यार्थियों ने अपनी विनिर्माण ईकाइयां स्थापित की हैं। राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम के अध्यक्ष और सीईओ रह चुके डॉ. जुनेजा ने कहा कि सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है। इस क्षेत्र में 124 मिलियन कार्यबल की भागीदारी है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने एमएसएमई को सहयोग देने के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं, मगर प्रमुख चुनौती है।